BIHAR SHODH SAMAAGAM
Multidisciplinary, Multi-Lingual, Peer Reviewed Open Access Journal
issn : 3048-6971
Vol. 3, Issue 2, April-June, 2025
Available online : https://www.biharshodhsamaagam.com/

शाला मे अधिगम अनुकूल वातावरण

किशोर कुमार शर्मा

प्रधान पाठक

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बैहाटोला

ब्लॉक - खैरागढ़ ,जिला - खैरागढ़ -छुईखदान - गंडई

प्रस्तावना - अधिगम अनुकूल वातावरण बनाने के लिए कक्षा में शिक्षण पद्धति में सुधार की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी, छात्रों के लिए गतिविधियों का उपयोग करना, विषय को वास्तविक जीवन की परिस्थितियों से जोड़ना, खुली चर्चाओं को प्रोत्साहित करने विभिन्न गतिविधयां कराना

स्किनर - सीखने का आधार किसी आवश्यकता की पूर्ति की प्रक्रिया में होता है अर्थात कोई भी प्राणी उसी कार्य को सीखता है जिसमें उसकी किसी आवश्यकता की पूर्ति होती है। स्किनर ने हल् के इस सिद्धांत को अधिगम का सर्वश्रेष्ठ सिद्धांत बताया है क्योंकि यह आवश्यकता व प्रेरणा पर बल देता है इसलिए शिक्षार्थी को प्रेरित करके ही सिखाया जाता है.

सरल अधिगम– आकस्मिक अधिगम– बालक जब स्वतः ही स्वतंत्र रूप से कार्य करते हुए कुछ सीख जाता है, तो उसे स्वतंत्र अधिगम कहते हैं। स्वायत्ता अधिगम– इस प्रकार के अधिगम में बालक प्राकृतिक रूप में सीखता है। वह अपनी अंतर्दृष्टि के आधार पर समस्याओं का विश्लेषण कर उन्हें सुलझाता है। आकस्मिक अधिगम– यह अधिगम अनायास ही घटित हो जाता है।

1.आपसी वार्तालाप के साथ मॉडल प्रदर्शन - बच्चों द्वारा समझ विकसित करने व बाकी बच्चों के साथ चर्चा कर आपसी वार्तालाप के साथ मॉडल प्रदर्शन ।

2.लय-ताल के साथ पढ़ना - आनन्दमय वातावरण निर्मित कर पाठ को रुचिकर बनाकर सामुहिक लय-ताल के साथ पढ़ना ।

3. अभिव्यक्ति का पहला माध्यम - अनेक स्रोतों सर ज्ञात हो चुका है कि कला के माध्यम से इंसान की अभिव्यक्ति का पहला माध्यम है । इसे योग की तरह माना गया है । अतः प्रायः शाला में इन गतिविधियों को कराता हूँ ।

4. **अधिगम अनुकूल वातावरण -** बच्चों में सृजनात्मक कौशल को समृद्ध करने और उनके समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए अधिगम अनुकूल वातावरण बनाने कक्षा में शिक्षण पद्वति में सुधार की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी और छात्रों के लिए समृद्ध गतिविधियों का उपयोग करने तथा विषय को वास्तविक जीवन की परिस्थितियों से जोड़ते हुए अनेक गतिविधियां की जाती है । जैसे मूर्तिकला का प्रशिक्षण, लगातार 5 वर्षों से 15 अगस्त, 26 जनवरी को अलग अलग विषयों में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन, **मूर्तिकला का प्रशिक्षण आयोजन** आदि ।

4. चित्रकला एवं मूर्तिकला का आयोजन - बच्चों को मूर्तिकला का प्रशिक्षण एवं विभिन्न विषयों में बच्चों का चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है ।

5. समग्र विकास - बस्ताविहीन कार्यक्रम का आयोजन जिसमे विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों का समग्र विकास करना इसके तहत पूर्व व वर्तमान शालाओं में मिट्टी कला सिखाना ।

@2025 Bihar Shodh Samaagam

6. शाला में व्यवसायिक शिक्षा - शिक्षा कला गतिविधियों का प्रोफ़ाइल , मीडिया न्यूज, सोशल मीडिया से प्रभावित होकर श्री योगेंद्र जी अध्यक्ष कला परिषद संस्कृति विभाग ,छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा माननीय मुख्यमंत्री जी भूपेश बघेल जी के अध्यक्षता में आयोजित बैठक में चर्चा उपरांत छत्तीसगढ़ के शालाओं में बेगलेश डे घोषणा की गई थी ।

शाला में व्यवसायिक शिक्षा की सुरुआत जिसके पश्चात माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा सभी स्कूलों में शनिवार को बेगलेस की सुरूआत हुई है । जिसमे बच्चों के हुनर को आगे बढ़ाते हुए उनके अंदर सृजनात्मक भाव को प्रोत्साहित करते हुए समग्र विकास करना ।

7. समग्र विकास को प्रोत्साहित -चर्चा के माध्यम से बच्चों के समझ को बढ़ाना । इसमे आमन्त्रित अतिथि के तहत शिक्षित माताओं को आमंत्रित किया गया था पनिता वर्मा के द्वारा अनेक विषयों पर बात कर बच्चों से खुली चर्चा कर एवं बच्चों को गीत के माध्यम से सिखाया और उनके समग्र विकास को प्रोत्साहित किया गया था ।

8. उत्साह वर्धन के लिए आमंत्रित- बेगलेस के तहत प्रत्येक शनिवार को आयोजित किया जाता है । जिसमें बच्चों को प्रोत्साहित करने प्रदर्शनी लगाई जाती है साथ ही उनके पालकों को उत्साह वर्धन के लिए आमंत्रित भी किया जाता है।

8. **सहायक संचालक एवं जिला नोडल अधिकारी द्वारा उद्बोधन -** कैरियर, कम्युनिकेशन स्किल, व व्यक्तित्व विकास पर ***आमंत्रित*** श्री कोसरे सर सहायक संचालक एवं जिला नोडल अधिकारी द्वारा उद्बोधन किया गया था ।

9. खुली चर्चाओं को प्रोत्साहित- जनपद पंचायत के ceo द्वारा - सर खुली चर्चाओं को प्रोत्साहित करनेऔर बच्चों के समझ विकसित करने और बाहरी दुनिया से जोड़ने शाला में अतिथियों को आमंत्रित किया जाता है इसी कड़ी में **जनपद पंचायत के ceo** सर द्वारा बच्चों के समक्ष अपनी जीवनी और पढ़ाई में आने वाली अवरोध और उनसे निपटने वाले सुझाव को साझा किया गया था ।

10. सृजनात्मक कौशल का विकास भोपाल से आमंत्रित श्री प्रवीण मूर्तिकार जी द्वारा - बच्चों में कलात्मक अभिरुचि को जागृत करने मिट्टी , चित्रकारी आदि गतिविधियों के माध्यम से उनके अंदर सृजनात्मक कौशल का विकास किया जाता है । इसके तहत **भोपाल से आमंत्रित श्री प्रवीण मूर्तिकार जी** बच्चों के बीच पहुँचे थे ।

11. अनेक गतिविधियों के माध्यम शैक्षिक वातावरण के कारण शासन द्वारा बेगलेश क्रियान्वयन हेतु मेरे पूर्व व वर्तमानशाला को चयन किया गया था।

12 . सीखने के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए कक्षा में शिक्षण प्रथाओं में सुधार की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी, छात्रों के लिए संवर्धन गतिविधियों का उपयोग करना, विषय को वास्तविक जीवन की स्थिति से जोड़ना, खुली चर्चा को प्रोत्साहित करना, आदि।

13 . शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय में नवाचारी प्रधान पाठक किशोर शर्मा द्वारा नई शिक्षा नीति 2020 अंतर्गत अभिनय आधारित विषय की समझ व व्यवसायिक शिक्षा के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया । जिसमें इजरायल से आमन्त्रित विषय विशेषज्ञ चंचल बंगा ने कहा इजरायल की शिक्षा प्रणाली अनिवार्य शिक्षा, नवीन शिक्षण विधियों, एक प्रेरक शिक्षण वातावरण, प्रौद्योगिकी एकीकरण, बहुभाषिकता पर जोर, तथा छात्र-केंद्रित शिक्षण दृष्टिकोण के अपने अनूठे मिश्रण के कारण विशिष्ट है।

यह संयोजन यह सुनिश्चित करता है कि छात्र न केवल अकादमिक मानकों को पूरा करें, बल्कि एक सर्वांगीण व्यक्ति के रूप में विकसित हों, तथा वैश्वीकृत विश्व में सफल होने के लिए आवश्यक कौशलों से सुसज्जित हों।

निरंतर विकास, विविधता के प्रति संवेदनशीलता और समावेशिता के प्रति प्रतिबद्धता इस शिक्षा प्रणाली की पहचान है, जो विभिन्न क्षेत्रों में इज़राइल की सफलता को आगे बढ़ाती है। जैसे-जैसे शिक्षा की दुनिया नई चुनौतियों और अवसरों के सामने विकसित होती जा रही है, इज़राइल का दृष्टिकोण अन्य देशों के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि और सबक प्रदान करता है जो अपने स्वयं के शैक्षिक परिदृश्य को बढ़ाने की तलाश में हैं।

उन्होंने विषय की समझ बढ़ाने अभिनय के साथ पाठ प्रदर्शन किया ।

वही आमन्त्रित चिरायु सिन्हा सिरामिक विषय विशेषज्ञ द्वारा व्यवसायिक शिक्षा के तहत कहा नई शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्य में छात्रों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना है। इसका मतलब है कि यह नीति न केवल एकेडमिक ज्ञान बल्कि छात्रों के मानसिक, शारीरिक, और सामाजिक विकास पर भी जोर देती है। नई शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्य के तहत शिक्षा को अधिक समग्र और व्यापक बनाने पर जोर दिया गया है। इसमें केवल किताबों का ज्ञान ही नहीं, बल्कि कला, संगीत, खेल, कौशल विकास और नैतिक शिक्षा को भी शामिल किया गया है, जिससे छात्रों का सर्वांगीण विकास हो सके।

वही जानवी , मुस्कान, नम्रता ने गुडच- बेड टच को मीना की कहानी के माध्यम से बच्चों को समझाया गया साथ ही कार्यशाला में बताया गया , प्राचीन भारतीय कला जिसमें धागों, मोतियों, मनकों, चिड़िया के पंख और सितारों जैसी सामग्रियों से कपड़े को सजाने की प्रक्रिया सम्मिलित होती है। पारंपरिक कढ़ाई में प्रयुक्त कपड़ा और सजाने की सामग्री, विभिन्न क्षेत्रों में अलग अलग होती है। इससे हम आत्मनिर्भर बन सकते है

कार्यशाला में बच्चों ने अपने द्वारा किये नवाचारों के साथ प्रदर्शनी भी लगाई गई थी ।

शाला में शिक्षक वर्ग में कल्याण दास वर्मा, तीरथ राम साहू, श्रीमती सन्तोषी वर्मा और शिक्षाविद रूपेश निषाद, विजय वर्मा का सहयोग रहा ।

निष्कर्ष - सीखना या अधिगम एक व्यापक सतत् एवं जीवन पर्यन्त चलनेवाली महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मनुष्य जन्म के उपरांत ही सीखना प्रारंभ कर देता है और जीवन भर कुछ न कुछ सीखता रहता है। धीरे-धीरे वह अपने को वातावरण से समायोजित करने का प्रयत्न करता है।

संदर्भ -

1 समग्र शिक्षा ,स्कूल शिक्षा विभाग , छत्तीसगढ़ पृष्ट संख्या 23

2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति योजना 2022

3- खरे, डी.आर.एम., एवं वर्मा, डी.आर.बी. (2021), भारत में शिक्षा नीति की दिशा एवं दशा

4. शर्मा, रमेशचंद्र (2010) *शिक्षा मनोविज्ञान*

5. त्रिपाठी, अशोक कुमार (2016) *नवाचार एवं शिक्षक शिक्षा*

6. द्विवेदी, राकेश (2018) *नई शिक्षा नीति और उसका प्रभाव*